पंजीयन क्र. 50309/85 के अन्तर्गत भारत सरकार के समाचार पत्रों के रजिस्ट्रार द्वारा पंजीकृत। डाक पंजीयन क्र. म.प्र./261/ भोपाल/2006-08

ज्ञानेन्द्रपति

बतख के बच्चे

बतख के बच्चे घूम रहे
माँ के पीछे घूम रहे
तीनों बच्चे
सच्चे अच्छे
माँ के पीछे
घूम रहे
बहुत देर से बहुत लगन से।

हिलते-डुलते आप मगन से
हँसते हरदम
तिरते भरदम
ज्यों पोखर हो यह कोई बड़ा मुलायम
कांक्रीट का फुटपाथ न हो कलकत्ते का
लोगों से भरा फुटपाथ न हो कलकत्ते का

खड़ा-खड़ा मैं देख रहा
बँधा खड़ा मैं देख रहा
कितनी चाभी खाते कितना चलते
कोई न चले बतख के बच्चे जितना चलते
इस कड़ी धूप में
सिर-चढ़ी धूप में
जलते फुटपाथ पर उनके चक्कर
चक्कर पर चक्कर पर चक्कर
लोगों के पैरों से बचकर जूतों-बूटों से बचकर
फुटपाथ के सम्राट सिपाही की बेतों से बचकर
बतख के बच्चे घूम रहे
माँ के सच्चे घूम रहे
आते-जाते बच्चों की आँखों से मिलती आँखें उनकी
आते-जाते बच्चों की बाहों से छुलती पाँखें उनकी
बतख के बच्चे घूम रहे
गली-डगर हैं घूम रहे।

चित्रः मनोज कुलकर्णी

स्वामी रैक्स डी रोज़ारियो प्रकाशक, मुद्रक सी. एन. सुब्रह्मण्यम की ओर से निदेशक, एकलव्य फाउण्डेशन द्वारा एकलव्य, ई-10 शंकर नगर, 61/2 बस स्टॉप के पास, भोपाल-462016, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा आर. के. सिक्युप्रिन्ट प्रा. लि. प्लॉट नम्बर 15-बी, गोविन्दपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल - 462021 (फोनः 0755 - 2687589) से मुद्रित। सम्पादकः सुशील शुक्ल।